Title: Need to evolve a plan for channelisation of water of small rivers in Haryana.

डा. सुशील इन्दौरा (सिरसा): सभापति महोदय, एक ओर सरकार देश में कृषि विकास के लिये अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजन करने के प्रयास में जुटी है दूसरी ओर देश की कृषि भूमि जल-प्रबंधन में हो रही लापरवाही के कारण दलदली और खारी होती जा रही है। अभी देश में दलदल और मिट्टी के खारी होने की समस्या विकराल होती जा रही है। पहाड़ियो से निकलने वाली छोटी-छोटी नदियां वर्षा के समय भारी मात्रा में पानी अपने साथ बहाती हैं और भूमि की उपजाऊ शक्ति को प्रभावित करने के साथ-साथ खड़ी फसलों को भी बहाकर ले जाती हैं। जल जो जीवन माना जाता है वह आज विनाश का कारण बनता जा रहा है। घघ्घर नदी हरियाणा और विशेषकर मेरे जिले सिरसा के लिये तो अभिशाप बनी हुई है। फतेहाबाद का गोरखपुर गांव की ११५८० एकड़ भूमि इसकी चपेट में आ गई है और वहां का किसान भुखमरी के कगार पर आकर खड़ा हो चुका है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि राष्ट्रीय स्तर पर इन छोटी-छोटी पहाड़ी नदियों के जल की प्रबंध व्यवस्था को सुचारू करने के लिये योजना क्रियान्वित करें। साथ ही कृषि भूमि पर दलदल, खारीपन के प्रभाव को रोकने के लिये आवश्यक कदम उठायें।